रविवार 15 फ़रवरी, 2026

विषय — जीव आत्मा

स्वर्ण पाठ: भजन संहिता 25: 1

"हेयहोवा मैं अपने मन को तेरी ओर उठाता हूं।"

उत्तरदायी अध्ययन: रोमियो 12: 2, 9-12, 14, 21

2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो॥
9 प्रेम निष्कपट हो; बुराई से घृणा करो; भलाई मे लगे रहो।
10 भाईचारे के प्रेम से एक दूसरे पर दया रखो; परस्पर आदर करने में एक दूसरे से बढ़ चलो।
11 प्रयत्न करने में आलसी न हो; आत्मिक उन्माद में भरो रहो; प्रभु की सेवा करते रहो।
12 आशा मे आनन्दित रहो; क्लेश मे स्थिर रहो; प्रार्थना मे नित्य लगे रहो।
14 अपने सताने वालों को आशीष दो; आशीष दो श्राप न दो।
21 बुराई से न हारो परन्तु भलाई से बुराई का जीत लो॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. नीतिवचन 19: 16 (से ;)

16 जो आज्ञा को मानता, वह अपने प्राण की रक्षा करता है,

2. उत्पत्ति 6: 8 (नूह), 13, 14 (से ;), 22

8 परन्तु यहोवा के अनुग्रह की दृष्टि नूह पर बनी रही॥
13 तब परमेश्वर ने नूह से कहा, सब प्राणियों के अन्त करने का प्रश्न मेरे साम्हने आ गया है; क्योंकि उनके कारण पृथ्वी उपद्रव से भर गई है, इसलिये मैं उन को पृथ्वी समेत नाश कर डालूंगा।
14 इसलिये तू गोपेर वृक्ष की लकड़ी का एक जहाज बना ले,
22 परमेश्वर की इस आज्ञा के अनुसार नूह ने किया।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

3. उत्पत्ति 7: 10, 13, 14

10 सात दिन के उपरान्त प्रलय का जल पृथ्वी पर आने लगा।
13 ठीक उसी दिन नूह अपने पुत्र शेम, हाम, और येपेत, और अपनी पत्नी, और तीनों बहुओं समेत,
14 और उनके संग एक एक जाति के सब बनैले पशु, और एक एक जाति के सब घरेलू पशु, और एक एक जाति के सब पृथ्वी पर रेंगने वाले, और एक एक जाति के सब उड़ने वाले पक्षी, जहाज में गए।

4. उत्पत्ति 8: 1, 4, 15, 16, 18, 20 (से ;)

1 और परमेश्वर ने नूह की, और जितने बनैले पशु, और घरेलू पशु उसके संग जहाज में थे, उन सभों की सुधि ली: और परमेश्वर ने पृथ्वी पर पवन बहाई, और जल घटने लगा।
4 सातवें महीने के सत्तरहवें दिन को, जहाज अरारात नाम पहाड़ पर टिक गया।
15 तब परमेश्वर ने, नूह से कहा,
16 तू अपने पुत्रों, पत्नी, और बहुओं समेत जहाज में से निकल आ।
18 तब नूह, और उसके पुत्र, और पत्नी, और बहुएं, निकल आईं:
20 तब नूह ने यहोवा के लिये एक वेदी बनाई; और सब शुद्ध पशुओं, और सब शुद्ध पक्षियों में से, कुछ कुछ ले कर वेदी पर होमबलि चढ़ाया।

5. उत्पत्ति 9: 1, 8, 9, 13, 16

1 फिर परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों को आशीष दी और उन से कहा कि फूलो-फलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ।
8 फिर परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों से कहा,
9 सुनों, मैं तुम्हारे साथ और तुम्हारे पश्चात जो तुम्हारा वंश होगा, उसके साथ भी वाचा बान्धता हूं।
13 कि मैं ने बादल में अपना धनुष रखा है वह मेरे और पृथ्वी के बीच में वाचा का चिन्ह होगा।
16 बादल में जो धनुष होगा मैं उसे देख के यह सदा की वाचा स्मरण करूंगा जो परमेश्वर के और पृथ्वी पर के सब जीवित शरीरधारी प्राणियों के बीच बन्धी है।

6. भजन संहिता 24: 1-6 (से *1st.*), 9, 10 (से *1st.*)

1 पृथ्वी और जो कुछ उस में है यहोवा ही का है; जगत और उस में निवास करने वाले भी।
2 क्योंकि उसी ने उसकी नींव समुद्रों के ऊपर दृढ़ करके रखी, और महानदों के ऊपर स्थिर किया है॥
3 यहोवा के पर्वत पर कौन चढ़ सकता है? और उसके पवित्र स्थान में कौन खड़ा हो सकता है?
4 जिसके काम निर्दोष और हृदय शुद्ध है, जिसने अपने मन को व्यर्थ बात की ओर नहीं लगाया, और न कपट से शपथ खाई है।
5 वह यहोवा की ओर से आशीष पाएगा, और अपने उद्धार करने वाले परमेश्वर की ओर से धर्मी ठहरेगा।
6 ऐसे ही लोग उसके खोजी हैं, वे तेरे दर्शन के खोजी याकूब वंशी हैं॥

9 हे फाटकों, अपने सिर ऊंचे करो हे सनातन के द्वारों तुम भी खुल जाओ! क्योंकि प्रतापी राजा प्रवेश करेगा!
10 वह प्रतापी राजा कौन है? सेनाओं का यहोवा, वही प्रतापी राजा है॥

7. 1 पतरस 2: 9 (तुम हो)

9 … पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिस ने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।

8. प्रेरितों के काम 2: 1-8, 12-14 (से *4th*,), 15 (से *2nd*,), 16, 17 (से *1st* :), 18 (से ;), 19 (से ;), 21

1 जब पिन्तेकुस का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे।
2 और एकाएक आकाश से बड़ी आंधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ, और उस से सारा घर जहां वे बैठे थे, गूंज गया।
3 और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दीं; और उन में से हर एक पर आ ठहरीं।
4 और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे॥
5 और आकाश के नीचे की हर एक जाति में से भक्त यहूदी यरूशलेम में रहते थे।
6 जब वह शब्द हुआ तो भीड़ लग गई और लोग घबरा गए, क्योंकि हर एक को यही सुनाई देता था, कि ये मेरी ही भाषा में बोल रहे हैं।
7 और वे सब चकित और अचम्भित होकर कहने लगे; देखो, ये जो बोल रहे हैं क्या सब गलीली नहीं?
8 तो फिर क्यों हम में से हर एक अपनी अपनी जन्म भूमि की भाषा सुनता है?
12 और वे सब चकित हुए, और घबराकर एक दूसरे से कहने लगे कि यह क्या हुआ चाहता है?
13 परन्तु औरों ने ठट्ठा करके कहा, कि वे तो नई मदिरा के नशे में हैं॥
14 पतरस उन ग्यारह के साथ खड़ा हुआ और ऊंचे शब्द से कहने लगा, कि हे यहूदियो, और हे यरूशलेम के सब रहने वालों, यह जान लो और कान लगाकर मेरी बातें सुनो।
15 जैसा तुम समझ रहे हो, ये नशे में नहीं, क्योंकि अभी तो पहर ही दिन चढ़ा है।
16 परन्तु यह वह बात है, जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई है।
17 कि परमेश्वर कहता है, कि अन्त कि दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा।
18 वरन मैं अपने दासों और अपनी दासियों पर भी उन दिनों में अपने आत्मा में से उंडेलूंगा, और वे भविष्यद्वाणी करेंगे।
19 और मैं ऊपर आकाश में अद्भुत काम, और नीचे धरती पर चिन्ह, अर्थात लोहू, और आग और धूएं का बादल दिखाऊंगा।
21 और जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वही उद्धार पाएगा।

9. 1 थिस्सलुनीकियों 5: 9, 11

9 क्योंकि परमेश्वर ने हमें क्रोध के लिये नहीं, परन्तु इसलिये ठहराया कि हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त करें।

11 इस कारण एक दूसरे को शान्ति दो, और एक दूसरे की उन्नति के कारण बनो, निदान, तुम ऐसा करते भी हो॥

10. कुलुस्सियों 3: 23, 24

23 और जो कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझ कर कि मनुष्यों के लिये नहीं परन्तु प्रभु के लिये करते हो।

24 क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इस के बदले प्रभु से मीरास मिलेगी: तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 482: 9-11 (से ;)

जैसा कि क्रिश्चियन साइंस में प्रयोग किया जाता है, आत्मा उचित रूप से स्पिरिट या गॉड का पर्यायवाची है;

2. 70: 12-16

दिव्य मन घास के एक तिनके से लेकर तारे तक, सभी पहचानों को अलग और हमेशा रहने वाला बनाए रखता है। सवाल ये हैं: भगवान की पहचान क्या है? आत्मा क्या है? क्या बनी हुई चीज़ में जीवन या आत्मा होती है?

3. 71: 7-9

आत्मा का मतलब है स्पिरिट, भगवान, जो एक क्रिएटिव, कंट्रोल करने वाला, अनंत सिद्धांत है, जो सीमित रूप से बाहर है, जिसे रूप सिर्फ़ दिखाते हैं।

4. 477: 22-26

आत्मा इंसान का पदार्थ, जीवन और बुद्धि है, जो अलग-अलग होती है, लेकिन मैटर में नहीं।
आत्मा कभी भी आत्मा से कमतर कुछ नहीं दिखा सकती।

इंसान आत्मा की अभिव्यक्ति है।

5. 427: 2-7

जीवन आत्मा का नियम है, सत्य की आत्मा का नियम भी, और आत्मा कभी भी अपने प्रतिनिधि के बिना नहीं होती। इंसान का अस्तित्व आत्मा की तरह ही न तो मर सकता है और न ही बेहोशी में गायब हो सकता है, क्योंकि दोनों अमर हैं।

6. 481: 28-32

आत्मा इंसान का दिव्य सिद्धांत है और कभी पाप नहीं करती, — इसलिए आत्मा अमर है। साइंस में हम सीखते हैं कि यह भौतिक इंद्रियां हैं, आत्मा नहीं, जो पाप करती हैं; और यह पाया जाएगा कि पाप की इंद्रियां खो जाती हैं, न कि पापी आत्मा।

7. 322: 3-15, 26-32 अगला पृष्ठ

जब एक सामग्री से आध्यात्मिक आधार पर जीवन और बुद्धिमत्ता के दृष्टिकोण को बदलते हैं, हम जीवन की वास्तविकता प्राप्त करेंगे, आत्मा का नियंत्रण और हम अपने ईश्वरीय सिद्धांत में ईसाई धर्म या सत्य का अनुभव करेंगे। यह सामंजस्यपूर्ण और अमर आदमी प्राप्त होने से पहले चरमोत्कर्ष होना चाहिए और उसकी क्षमताओं का पता चला। यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है - दिव्य विज्ञान की इस मान्यता के आने से पहले पूरा होने वाले अपार कार्य के मद्देनजर - अपने विचारों को दिव्य सिद्धांत की ओर मोड़ने के लिए, कि परिमित विश्वास अपनी त्रुटि को त्यागने के लिए तैयार हो सकता है।

इंसान की समझ को पाप में कोई संतुष्टि नहीं मिलती, क्योंकि भगवान ने पाप को दुख सहने की सज़ा दी है।

चीज़ों की काल्पनिक ज़िंदगी में विश्वास के तीखे अनुभव, साथ ही हमारी निराशाएँ और लगातार दुख, हमें थके हुए बच्चों की तरह दिव्य प्रेम की बाहों में ले जाते हैं। तब हम दिव्य विज्ञान में ज़िंदगी सीखना शुरू करते हैं। इस दूध छुड़ाने की प्रक्रिया के बिना, "क्या तुम खोज करके भगवान को पा सकते हो?" सच की चाहत करना, खुद को गलती से छुड़ाने से ज़्यादा आसान है। इंसान क्रिश्चियन साइंस को समझने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे क्रिश्चियन साइंस से होने की सच्चाई को बिना कोशिश किए नहीं समझ पाएंगे। यह लड़ाई हर तरह की गलती को छोड़ने और अच्छाई के अलावा किसी और चीज़ की समझ न रखने की कोशिश में है।

प्यार की अच्छी सज़ाओं से, हमें नेकी, शांति और पवित्रता की ओर आगे बढ़ने में मदद मिलती है, जो साइंस के निशान हैं। सच के अनगिनत कामों को देखते हुए, हम रुकते हैं, — भगवान का इंतज़ार करते हैं। फिर हम आगे बढ़ते हैं, जब तक कि अनगिनत विचार खुशी से झूमते हुए न चलें, और बिना किसी रोक-टोक के सोच को भगवान की महिमा तक पहुँचने के लिए पंख न लग जाएं।

और जानने के लिए, हमें जो पहले से पता है, उसे अमल में लाना होगा। हमें याद रखना होगा कि सच तभी साबित होता है जब उसे समझा जाता है, और अच्छाई तब तक समझ में नहीं आती जब तक उसे दिखाया न जाए। अगर "कुछ चीज़ों पर वफ़ादार" रहा जाए, तो हम कई चीज़ों पर राज करने वाले बन जाएंगे; लेकिन एक बिना इस्तेमाल किया हुआ टैलेंट खत्म हो जाता है और खो जाता है। जब बीमार या पापी लोग यह महसूस करने के लिए जागते हैं कि उनके पास जो नहीं है, उसकी उन्हें ज़रूरत है, तो वे दिव्य साइंस को स्वीकार करने लगेंगे, जो आत्मा की ओर खिंचता है और भौतिक भावनाओं से दूर ले जाता है, शरीर से विचारों को हटा देता है, और नश्वर मन को भी बीमारी या पाप से बेहतर किसी चीज़ के बारे में सोचने पर मजबूर कर देता है। ईश्वर का सच्चा विचार जीवन और प्रेम की सच्ची समझ देता है, कब्र से जीत छीन लेता है, सारे पाप और इस गलतफहमी को दूर कर देता है कि दूसरे मन भी हैं, और नश्वरता को खत्म कर देता है।

क्रिश्चियन साइंस के असर उतने दिखते नहीं जितने महसूस होते हैं। यह सच की "शांत, छोटी आवाज़" है जो खुद को बोल रही है। हम या तो इस बात से दूर हो रहे हैं, या हम इसे सुन रहे हैं और ऊपर जा रहे हैं।

8. 62: 27-11

इंसान का ऊंचा स्वभाव निचले स्वभाव से कंट्रोल नहीं होता; अगर ऐसा होता, तो समझदारी का क्रम उलट जाता। ज़िंदगी के बारे में हमारे गलत नज़रिए हमेशा रहने वाले तालमेल को छिपाते हैं, और वे बुराइयाँ पैदा करते हैं जिनकी हम शिकायत करते हैं। क्योंकि इंसान दुनियावी नियमों में विश्वास करते हैं और मन के साइंस को नहीं मानते, इसलिए यह दुनियावी चीज़ को पहले और आत्मा के बेहतर नियम को आखिर में नहीं लाता। अगर आप होने के साइंस को समझते, तो आप कभी नहीं सोचते कि फेफड़ों की बीमारी से बचने के लिए फलालैन, कंट्रोल करने वाले मन से बेहतर है।

साइंस में इंसान आत्मा की संतान है। सुंदर, अच्छा और पवित्र उसके पूर्वज हैं। उसकी शुरुआत, इंसानों की तरह, पाशविक प्रवृत्ति में नहीं है, न ही वह समझदारी तक पहुँचने से पहले दुनियावी हालात से गुज़रता है। आत्मा उसके होने का शुरुआती और आखिरी सोर्स है; भगवान उसका पिता है, और ज़िंदगी उसके होने का नियम है।

9. 67: 18-29

यह सोचना कि जानवरों जैसा स्वभाव शायद किरदार को ताकत दे सकता है, सोचने के लिए बहुत बेतुका है, जब हम याद करते हैं कि आध्यात्मिक ताकत से हमारे भगवान और मालिक ने बीमारों को ठीक किया, मरे हुओं को ज़िंदा किया, और हवाओं और लहरों को भी अपनी बात मानने का हुक्म दिया। कृपा और सच्चाई बाकी सभी तरीकों और साधनों से कहीं ज़्यादा ताकतवर हैं।

पॉपुलर ईसाई धर्म के सीमित प्रदर्शन में आध्यात्मिक शक्ति की कमी सदियों की मेहनत को चुप नहीं कराती। शारीरिक नहीं, आध्यात्मिक चेतना की ज़रूरत है। पाप, बीमारी और मौत से आज़ाद हुआ इंसान ही असली समानता या आध्यात्मिक आदर्श दिखाता है।

10. 9: 17-23 (से *2nd*,)

क्या तुम "अपने प्रभु परमेश्वर से अपने पूरे दिल, अपनी पूरी आत्मा और अपने पूरे दिमाग से प्यार करते हो"? इस हुक्म में बहुत कुछ शामिल है, यहाँ तक कि सभी सिर्फ़ दुनियावी एहसास, प्यार और पूजा को छोड़ देना भी। यह ईसाई धर्म का एल डोराडो है। इसमें जीवन का विज्ञान शामिल है, और यह सिर्फ़ आत्मा के दिव्य कंट्रोल को मानता है, जिसमें आत्मा ही हमारी मालिक है,

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6